जयपुर शहर की 2 वार्डों में किया गया सर्वे एवं उसके परिणाम

बजट एनालिसिस एंड रिसर्च सेन्टर ट्रस्ट, जयपुर

www.barctrust.org

विषय - सूची

क्र.सं.	विषय - वस्तु	पृष्ट संख्या
1.	अनुक्रम	2
2.	तालिकाओं की सूची	3
3.	चार्ट की सूची	3
4.	प्रस्तावना	4
5.	अध्ययन का संक्षिप्त परिचय	5
6.	क्रियाविधि Methodology	5
7.	सैम्पलिंग	6
8.	सर्वे में शामिल परिवारों का सामाजिक एवं धार्मिक वर्गीकरण	7
9.	परिवारों की आर्थिक स्थिति	8
10.	दस्तावेजों की उपलब्धता एवं कमी	9
11.	आंगनवाडी केन्द्रों एवं विद्यालयों में नामांकन एवं ऑनलाइन माध्यम से अध्ययन सम्बंधित जानकारी	10
12.	सामाजिक सुरक्षा से सम्बंधित योजनाओं की जानकारी	13
13.	मकान, पेयजल, शौचालय, एवं बिजली की उपलब्धता एवं कमी से सम्बंधित जानकारी	14
14.	स्वच्छता एवं सफाई से सम्बंधित जानकारी	17
15.	वार्ड समिति एवं उसकी बैठक से सम्बंधित जानकारी	18
16.	सर्वे के दौरान लिए छायाचित्र	19

तालिकाएँ की सूची

क्र.सं.	तालिका
1	सामाजिक श्रेणी के आधार पर परिवारों वर्गीकरण
2	धर्म के आधार पर परिवारों वर्गीकरण
3	परिवार के सदस्यों की स्थिति
4	परिवारों की कुल औसत मासिक आय (सभी स्रोतों से)
5	लॉकडाउन में आय खोने वाले परिवार
6	सर्वे में भाग लेने वाले परिवार के पास दस्तावेज की उपलब्धता
7	पीडीएस दुकान से राशन सामग्री प्राप्त करने वाले परिवार
8	पीडीएस दुकान से राशन सामग्री नहीं मिलने का कारण
9	आंगनबाड़ी केन्द्र की सुविधाएँ प्राप्त करने वाले के लाभार्थी
10	परिवार के बच्चों का विद्यालय में नामांकन / अध्यनरत
11	बच्चों की ऑनलाइन माध्यम से पढाई की स्थिति
12	ऑनलाइन माध्यम से पढाई नही कर पाने का कारण
13	सामाजिक सुरक्षा से सम्बंधित योजना के बारे में जानकारी
14	मकान की स्थिति
15	पेयजल से सम्बंधित उपलब्धता
16	पेयजल पर महीने का खर्च
17	शौचालय एवं बिजली की उपलब्धता से सम्बंधित
18	नगर निगम की गाडी द्वारा कूड़ा एकत्रित करने की स्थिति

चार्ट की सची

1	सर्वे में भाग लेनें वाले वर्गों का प्रतिशत
2	परिवारों की कुल औसत आय (प्रतिशत में)
3	लॉकडाउन में आय खोने वाले परिवार (प्रतिशत में)
4	बच्चों का विद्यालयों में नामांकन एवं ऑनलाइन माध्यम से पढने वाले बच्चों की संख्या
5	वृद्धावस्था पेंशन के हक़दार एवं पेंशन प्राप्त करने लाभार्थी
6	परिवारों के मकान की स्थिति (प्रतिशत में)

प्रस्तावना

गरीबी ऐसी स्थति है जिसमे व्यक्ति जीवन निर्वाह के लिए बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में असमर्थ रहता है इन बुनियादी आवश्यकताओं में भोजन, कपडा और मकान शामिल है | देश में लगभग हर चौथा व्यक्ति गरीब है | यह गरीब किसी गाँव का भूमिहीन गरीब भी हो सकता है और शहरों में भीड़ भरी झुग्गियों में रहने वाले लोग भी दरहसल गांवों से हजारों लाखो की तादाद में लोग काम की तलाश में और अपने परिवार के भरण पोषण के लिए नजदीक के शहरों या फिर किसी दूर के बड़े शहरों में जा कर जीवन यापन कर रहे है |इनमें से ऐसे लोगों की संख्या काफी ज्यादा है जोकि निरक्षर है या फिर कम पढ़े लिखे है |

इन्हें शहरी गरीब की संज्ञा दी जाती है ये निर्माण स्थलों के दैनिक वेतन भोगी श्रमिक भी हो सकते है और ढावों में काम करने वाले बाल श्रमिक भी, रहड़ी वाले, गली में काम करने वाले मोची बड़े बड़े घरों में झाड़ू पोंछा और काम करने वाली महिलाऐं एवं पुरुष, और घर घर जा कर कूड़ा उठाने वाले लोग, पुराने अखवार, कतरन, कोफ़ी किताब खरीदने वाले लोग, इत्यादि शहरी क्षेत्र के अतिनिर्धन एवं अति जोखिम भरा जीवन यापन करने वाला वर्ग है | इन लोगों के पास परिसंपत्तियां बहुत कम होती है और यह कच्चे घरों में रहते है जिनकी दीवारे मिट्टी और छतें घास फुंस और लड़कियों की बनी होती है शहरी क्षेत्र में बहुत से ऐसे लोग है जिनके पास ऐसे घर भी नहीं है ऐसे लोग शहरों में जहाँ आवास बनाते है उन्हें अकसर मलिन बस्तियों के नाम से जाना जाता है इन लोगों के आलावा शहरों में देश के कोने कोने से पलायन कर ऐसा श्रमिक एवं मजदुर वर्ग भी बसा हुआ है जो असंगठित क्षेत्र के दायरे में आता है | ऐसे गरीब तथा असंगठित लोगों के सर्वागीण विकास के लिए सरकार द्वारा काफी योजनाएं चलाई जा रही हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि यह वर्ग सरकार की इन तमाम योजना की पहुँच से दूर है | यह वर्ग इन योजनाओं का न के बराबर लाभ उठा पा रहा है |

बजट एनालिसिस एवं रिसर्च सेण्टर ट्रस्ट, जयपुर द्वारा इस लोगों की वास्तविक स्थिति, जीवन यापन करने में आ रही समस्याओं जानने के उद्देश्य से जयपुर शहर के 2 वार्डों में सर्वे कर अध्ययन किया गया | इस अध्ययन में बार्क ट्रस्ट द्वारा शहरी गरीब परिवारों की समाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक स्थिति का अध्ययन करने तथा सरकार द्वारा ऐसे वर्गों के लिए चलाई जा रही योजनाओं की पहुँच के स्तर का अध्ययन करने करने का प्रारंभिक प्रयास किया है |

अध्ययन का संक्षिप्त

बजट अध्ययन एवं अनुसंधान केन्द्र ट्रस्ट, जयपुर द्वारा यह सर्वे जयपुर शहर के ग्रेटर नगर निगम में आने वाले 2 विधान सभा क्षेत्रों विद्याधर नगर एवं झोटवाडा विधानसभा के एक एक वार्ड (वार्ड न. 3 एवं वार्ड न. 56) में 200, 200 परिवारों के साथ करवाया गया |

यह सर्वे शहरी क्षेत्र में रह रहे गरीब व्यक्तिओं द्वारा मुलभूत आवश्यकताओं को प्राप्त करने में आ रही समस्याओं के बारे में जानने के लिए किया गया | सर्वे में शामिल क्षेत्र नीचे चार्ट में दर्शाया गया है -

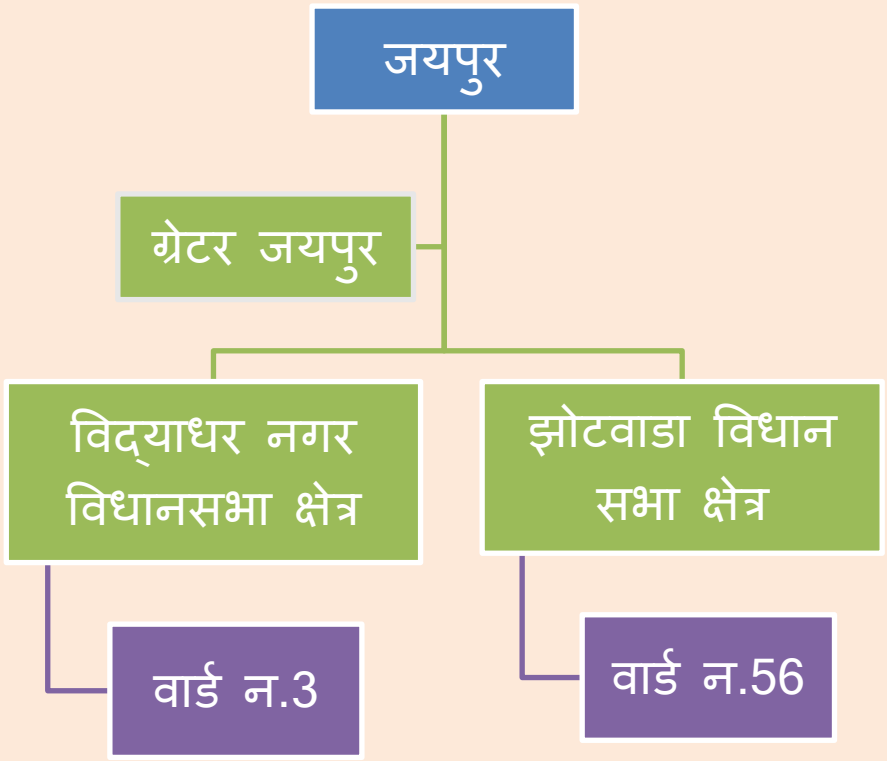

क्रियाविधि Methodology

- सर्वे कार्य में वार्ड 3 तथा वार्ड न. 56 से कुल 400 परिवारों को शामिल किया गया |
- सर्वे कार्य गूगल फॉर्म के माध्यम से दोनों वार्डों में घर घर जा कर किया गया |

सैंपलिंग

वार्ड संख्या / विधानसभा	3 (विद्याधर नगर)	56 (झोटवाडा)	कुल
सर्वे में शामिल परिवार	197	203	400

सर्वे में शामिल परिवारों का सामाजिक एवं धार्मिक वर्गीकरण

तालिका :- 1 सामाजिक श्रेणी के आधार पर परिवारों वर्गीकरण

वार्ड संख्या / विधानसभा	सामान्य वर्ग	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	बताना नहीं चाहते	कुल
3 (विद्याधर नगर)	23	56	77	39	2	197
56 (झोटवाडा)	24	96	81	2	0	203
कुल	47 (11.75)	152 (38)	158 (39.5)	41 (10.25)	2 (0.5)	400(100)

नोट:- 95 घुमंतू परिवारों में से वार्ड न. 3 से 69 तथा वार्ड न. 56 में 26 घुमंतू परिवारों ने सर्वे कार्य में भाग लिया, जो कि सर्वे में शामिल कुल 400 परिवारों का 23.75 प्रतिशत है |

चार्ट :- 1 सर्वे में भाग लेनें वाले वर्गों का प्रतिशत

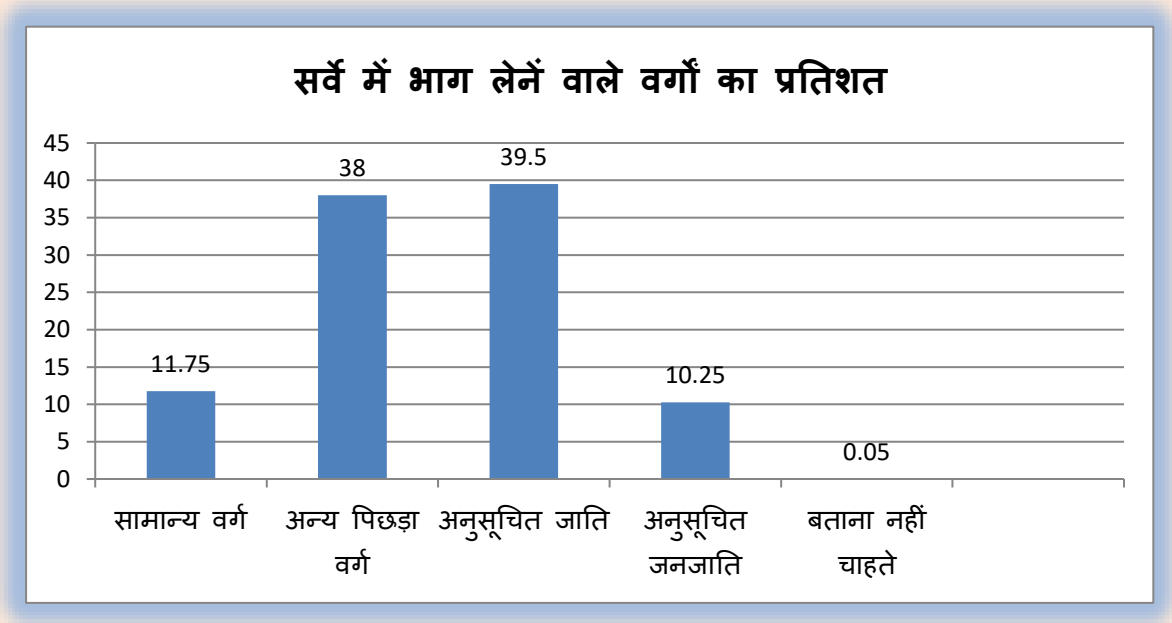

- जबकि सामान्य वर्ग के परिवारों की भागीदारी 11.75 प्रतिशत रही है |
- सर्वे में अनुसूचित जाति के परिवारों की भागीदारी 39.5 प्रतिशत सबसे अधिक रही है, और अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों की भागीदारी 38 प्रतिशत रही है |
- 10.25 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति के लोगों ने सर्वे में भाग लिया है |

तालिका :- 2 धर्म के आधार पर परिवारों वर्गीकरण

वार्ड संख्या / विधानसभा	हिन्दू	मुस्लिम	इसाई	कुल
3 (विद्याधर नगर)	169	28	0	197
56 (झोटवाडा)	146	56	1	203
कुल	315	84	1	400

- सर्वे में 400 परिवारों में से 315 हिन्दू परिवार 84 मुस्लिम परिवार एवं 1 इसाई परिवार शामिल हुआ |
- वार्ड नंबर वार्ड नंबर 3 (विद्याधर नगर) की तुलना में 56 (झोटवाडा) में सर्वे में भाग लेने वाले मुस्लिम परिवारों की संख्या अधिक रही है |
- वार्ड नंबर 3 (झोटवाड़ा में
- इस आंकड़ों को प्रतिशत में देखें तो 78.75 प्रतिशत हिन्दू परिवार तथा 21 प्रतिशत मुस्लिम परिवार शामिल है जबकि 0.25 प्रतिशत इसाई परिवारों ने सर्वे में भाग लिया

तालिका :- 3 परिवार के सदस्यों की स्थिति

वार्ड संख्या / विधानसभा	0-5 साल तक के बच्चे	6-14 साल तक के बच्चे	15-19 साल तक के बच्चे	गर्भवती एवं धात्री महिला	बुज़ुर्ग
3 (विद्याधर नगर)	59	139	44	8	56
56 (झोटवाडा)	72	132	85	11	54
कुल	131	271	129	19	110

- सर्वे में शामिल परिवारों में 0 से 5 वर्ष, 6 से 14 वर्ष, 15 से 19 वर्ष तक के बच्चों की संख्या क्रमशः 131, 271 तथा 129 है |
- गर्भवती एवं धात्री महिलाएं 19 तथा बुजुर्ग की संख्या 110 है |

- वार्ड नंबर 3 में गर्भवती महिलाओं की संख्या 8 है जबकि वार्ड नंबर 56 में गर्भवती महिलाओं की संख्या 11 है |

परिवारों की आर्थिक स्थिति

तालिका :- 4 परिवारों की कुल औसत मासिक आय (सभी स्रोतों से)

वार्ड संख्या / विधानसभा	5000 रु. तक	5000 से 10000 रु.	10000 से 20000 रु.	20000 से 50000 रु.
3 (विद्याधर नगर)	43	142	11	1
56 (झोटवाडा)	14	131	58	-
कुल	57	273	69	1

चार्ट :- 2 परिवारों की कुल औसत आय (प्रतिशत में)

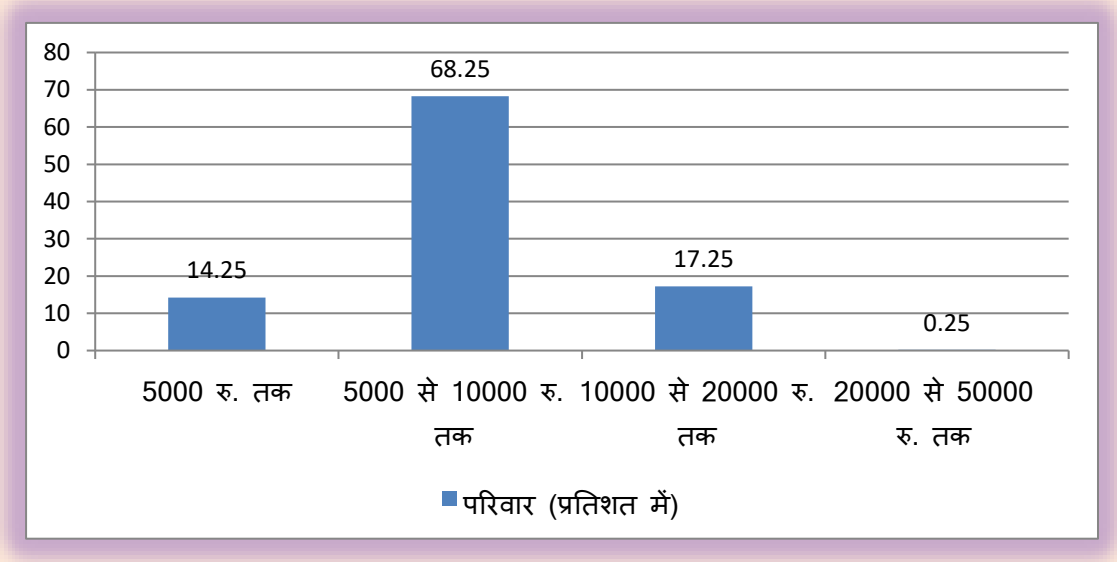

- परिवारों की कुल औसत आय के आंकड़ें देखने से यह मालूम होता है कि 57 (14.25%) परिवार ऐसे है जिनकी मासिक आय 5000 रुपये से भी कम है
- जबकी 273 (68.25%) परिवार ऐसे है जिनकी मासिक आय 5000 रुपये से 10000 रुपये तक है,
- 10000 रुपये से 20000 रुपये तक आय रखने वाले परिवारों की संख्या 69 (17.25%) हैं केवल 1 परिवार ऐसा है जसकी आय 20000 रुपये से 50000 रुपये तक है |

तालिका :- 5 लॉकडाउन में आय खोने वाले परिवार

वार्ड संख्या / विधानसभा	3 (विद्याधर नगर)	56 (झोटवाडा)	कुल परिवार
परिवार	151(37.75)	193(48.75)	344(86)

चार्ट :- 3 लॉकडाउन में आय खोने वाले परिवार (प्रतिशत में)

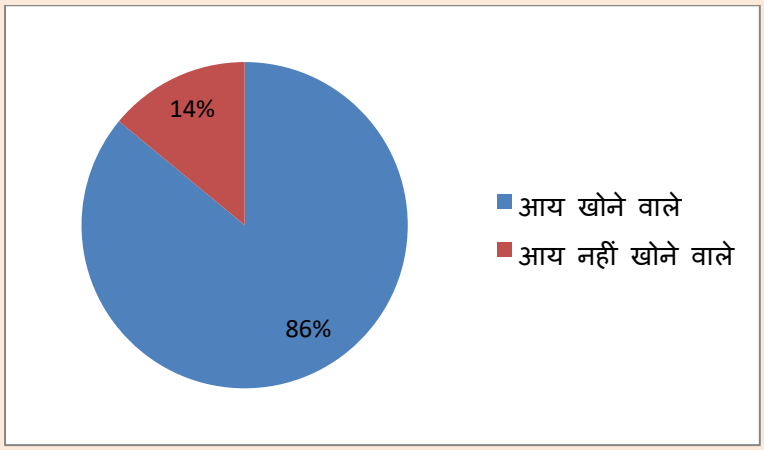

तालिका से देखा जा सकता है कि सर्वे में लिए गए 400 परिवारों में से 86 प्रतिशत (344 परिवार) परिवारों ने लॉकडाउन में अपनी पूर्ण आय खो दी थी लेकिन लॉकडाउन के बाद अधिकतर लोग अपने पुराने काम पर लौट गए है |

दस्तावेजों की कमी एवं उपलब्धता

तालिका :- 6 सर्वे में भाग लेने वाले परिवार के पास दस्तावेज की उपलब्धता

वार्ड संख्या / विधानसभा	आधार कार्ड	जन आधार कार्ड	राशन कार्ड	श्रमिक कार्ड
3 (विद्याधर नगर)	192	155	144	11
56 (झोटवाडा)	201	184	175	69
कुल	393 (98.25)	339 (84.75)	319 (79.75)	80 (20)

तालिका से स्पष्ट है कि 98.25 प्रतिशत परिवारों पास आधार कार्ड, 84.75 के पास जन आधार 79.75 के पास राशन कार्ड उपलब्ध है जबकि केवल 20 प्रतिशत परिवार ऐसे है श्रमिक कार्ड उपलब्ध है |

आंगनबाड़ी केंद्र एवं विद्यालयों में नामांकन और ऑनलाइन माध्यम से अध्ययन सम्बंधित जानकारी

आंगनवाडी केंद्र जानकारी

तालिका :- 9 आंगनबाड़ी केन्द्र की सुविधाएँ प्राप्त करने वाले के लाभार्थी

वार्ड संख्या / विधानसभा	किशोरी	बच्चे	महिला	कोई नहीं
3 (विद्याधर नगर)	2	62	16	121
56 (झोटवाडा)	1	30	20	165
कुल	3	92	26	286

दोनों तालिकाओं से देखा जा सकता है कि परिवार में बच्चे तथा किशोरियों की संख्या के विपरीत आंगनवाडी केन्द्र की सुविधा प्राप्त करने लाभर्थियों की संख्या बहुत कम है |

विद्यालय में नामांकन / अध्यनरत जानकरी

तालिका :- 10 परिवार के बच्चों का विद्यालय में नामांकन / अध्यनरत

वार्ड संख्या / विधानसभा	3 (विद्याधर नगर)	56 (झोटवाडा)	कुल नामांकन
निजी स्कूल में	83	76	159
सरकारी स्कूल में	62	61	123
संस्था के स्कूल में	1	8	9
कुल	146	145	291

तालिका :- 11 बच्चों की ऑनलाइन माध्यम से पढाई की स्थिति

वार्ड संख्या / विधानसभा	3 (विद्याधर नगर)	56 (झोटवाडा)	कुल परिवार
छात्र	20 (13.69)	80 (55.17)	100 (34.36)

नोट :- कोष्टक में () नामांकन के विपरीत ऑनलाइन माध्यम से पढाई करने वाले छात्रों का प्रतिशत है

वार्ड न. 3 (विद्याधर नगर) में 146 बच्चों का विद्यालय में नामांकन है और इसके विपरीत केवल 13.69 प्रतिशत (20 बच्चे) बच्चे ऑनलाइन माध्यम से पढाई कर रहे है इसीप्रकार वार्ड न. 56 (झोटवाडा) में 145 बच्चों का नामांकन है जबकि केवल 55.17 प्रतिशत बच्चें ऑनलाइन माध्यम से पढाई कर रहे है | कुल 291 विद्यालय में नामांकित बच्चों में से

34.17 प्रतिशत बच्चे ही ऑनलाइन शिक्षा का लाभ उठा पा रहे है बाकी सभी बच्चे शिक्षा से वंचित है |

चार्ट :- 4 बच्चों का विद्यालयों में नामांकन एवं ऑनलाइन माध्यम से पढने वाले बच्चों की संख्या :

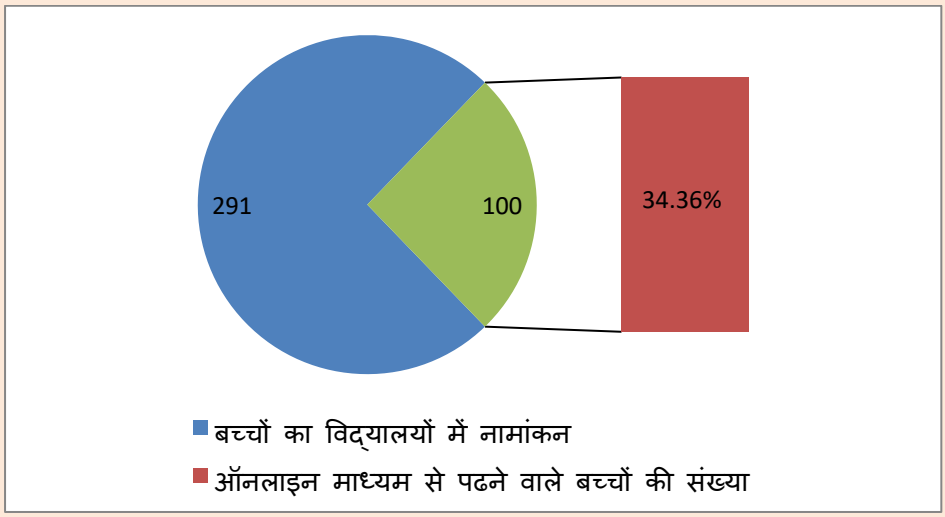

वार्ड नंबर 3 एवं वार्ड नंबर 56 में किये गए सर्वे के दौरान यह मालूम हुआ कि दोनों वार्डों में जिन परिवारों के साथ सर्वे किया गया उन परिवारों में 291 बच्चों का विद्यालय में नामांकन था, जबकि इसके विपरीत केवल 100 बच्चों ने ही लॉकडाउन के दौरान ऑनलाइन शिक्षा का लाभ प्राप्त किया है | ऑनलाइन शिक्षा से वंचित रहने का कारण मुख्यतः सुविधाओं की कमी या फिर विद्यालय द्वारा ऑनलाइन क्लास नहीं चलाई गई बताया गया है |

तालिका :- 12 ऑनलाइन माध्यम से पढाई नही कर पाने का कारण

वार्ड संख्या / विधानसभा	3 (विद्याधर नगर)	56 (झोटवाडा)	कुल
इन्टरनेट नहीं है	2	-	2
मोबाईल नहीं है	88	92	180
विद्यालय द्वारा ऑनलाइन क्लास नहीं चलायी जा रही है	76	25	101
अन्य	11	6	17

- दो परिवार ऐसे है जिनके पास इन्टरनेट की उपलब्धता नहीं है |

- और 180 परिवार ऐसे है जिनके पास मोबाइल फ़ोन नहीं अगर मोबाइल फ़ोन है भी तो केवल एक ही है |
- 101 परिवार ऐसे जिन्होंने बताया की उनके विद्यालय द्वारा ऑनलाइन माध्यम से पढाई नहीं करवाई जा रही है |
- 400 परिवार में से केवल 100 परिवार ऐसे है जनके बच्चे ऑनलाइन माध्यम से पढाई कर रहे है और 300 परिवार के बच्चे शिक्षा से वंचित है |

सामाजिक सूरक्षा से सम्बंधित योजनाओं की जानकारी

तालिका :- 13 सामाजिक सुरक्षा से सम्बंधित योजना के बारे में जानकारी

वार्ड संख्या / विधानसभा	3 (विद्याधर नगर)	56 (झोटवाडा)	कुल परिवार
वृद्ध की संख्या	71	54	125
पेंशन प्राप्त करने वालों की संख्या	25 (35.2)	28 (51.9)	53 (42.4)
विधवा या एकल महिला	6	9	15
पेंशन प्राप्त करने वालों की संख्या	4 (66.7)	4 (44.4)	8 53.3)
शारीरक रूप से विकलांग / दिव्यांग	4	11	15
पेंशन प्राप्त करने वालों की संख्या	1 (25)	2 (18.2)	3 (20.0)
पालनहार योजना के लाभार्थी	4	3	7

चार्ट :- 5 वृद्धावस्था पेंशन के हक़दार एवं पेंशन प्राप्त करने लाभार्थी

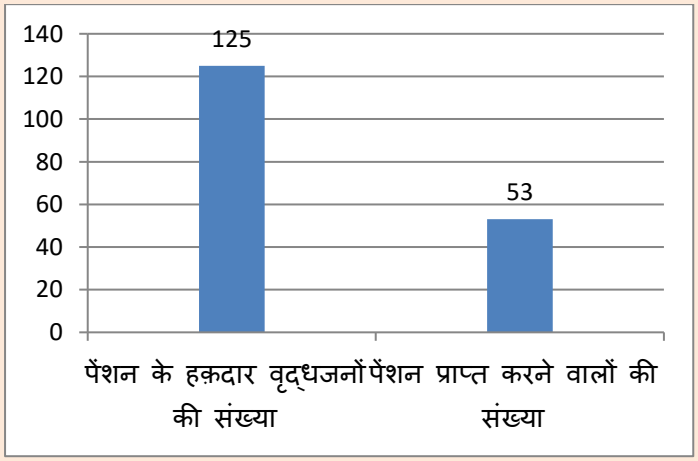

तालिका :- 7 पीडीएस दुकान से राशन सामग्री प्राप्त करने वाले परिवार

वार्ड संख्या / विधानसभा	3 (विद्याधर नगर)	56 (झोटवाडा)	कुल परिवार
लाभार्थी	24 (6)	94 (23.5)	118 (29.5)

वार्ड न. 3 के 6 प्रतिशत परिवार ऐसे है जो पीडीएस की दुकान से राशन प्राप्त करते है जबकि झोटवाडा में 23.5 प्रतिशत परिवार पीडीएस से राशन प्राप्त करते है | दोनों वार्डों के कुल 29.5 प्रतिशत (118) परिवार पीडीएस से राशन प्राप्त करते है |

तालिका :- 8 पीडीएस दुकान से राशन सामग्री नहीं मिलने का कारण

वार्ड संख्या / विधानसभा	आवश्यकता नहीं है	एनएफएसए लाभार्थी नहीं है
3 (विद्याधर नगर)	5	168
56 (झोटवाडा)	-	109
कुल	5	277

69.25 प्रतिशत (277) परिवार ऐसे है जो एनएफएसए लाभार्थी नहीं है जिसकी वजह से वह पीडीएस से राशन प्राप्त नहीं कर पाते है | एनएफएसए लाभार्थी नहीं होने का मुख्य कारण दस्तावेजों का उपलब्ध नहीं होना है |

मकान, पेयजल, शौचालय, एवं बिजली की उपलब्धता एवं कमी से सम्बंधित जानकारी

तालिका :- 14 मकान की स्थिति

वार्ड संख्या / विधानसभा	स्वयं का मकान	किराये का मकान	कुल	पट्टाधारी	सरकारी योजना के तहत बने कुल मकान
3 (विद्याधर नगर)	186	11	197	11 (5.58 %)	3 (1.52%)
56 (झोटवाडा)	178	25	203	30(14.78%)	1 (0.49%)
कुल	364	36	400	41 (10.25%)	4 (1%)

नोट :- दिए गए कोष्ठक में कुल मकान की तुलना में पट्टाधारियों का प्रतिशत है एवं कुल मकानों की तुलना में सरकारी योजना के तहत बने कुल मकानों का प्रतिशत है |

- ऊपर दी गयी तालिका मालूम होता है कि कुल 400 परिवारों में 364 परिवार ऐसे है जो स्वयं के माकन में रहते है जबकि 36 परिवार ऐसे है जो किराये के माकन में रहते है |
- कुल मकानों की तुलना में पट्टाधारी मकान मालिकों की संख्या केवल 41 (10.25%) है इसी प्रकार कुल मकानों की तुलना में सरकारी योजना के तहत बने मकान केवल 1 प्रतिशत हैं|
- वार्ड न. 3 में वार्ड न. 56 की तुलना में पट्टाधारी मकान मालिकों की संख्या बहुत कम है |

चार्ट : 6 परिवारों के मकान की स्थिति (प्रतिशत में)

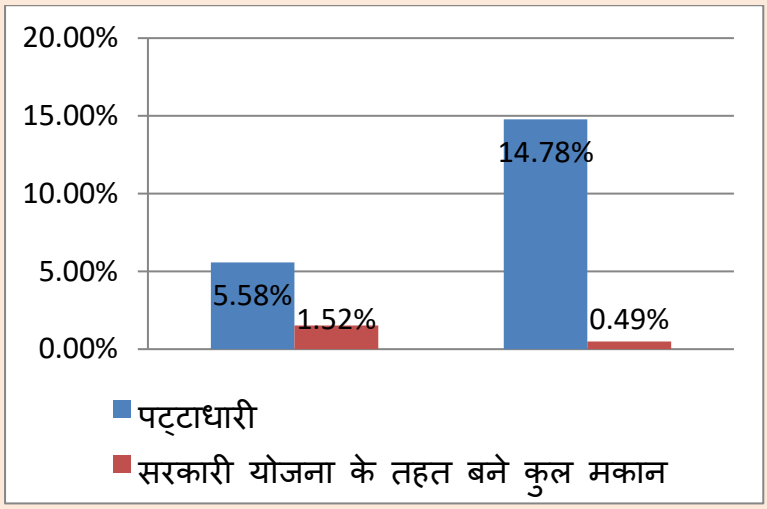

तालिका :- 15 पेयजल से सम्बंधित उपलब्धता

वार्ड संख्या / विधानसभा	टैंकर	सरकारी सप्लाई	निजी बोरिंग द्वारा सप्लाई	कुल
3 (विद्याधर नगर)	193 (97.97)	2 (1.01)	2 (1.01)	197 (100)
56 (झोटवाडा)	7 (3.45)	188 (92.61)	8 (3.94)	203 (100)
कुल	200 (50)	190 (47.5)	10 (2.5)	400 (100)

- वार्ड न. 3 (विद्याधर नगर) पेयजल की स्थिति देखी जाये 97.97 प्रतिशत परिवार पेयजल की व्यवस्था टैंकर द्वारा करते है केवल 2 प्रतिशत पारिवार ही सरकारी सप्लाई द्वारा पानी प्राप्त करते है |
- जबकि वार्ड न. 56 (झोटवाडा) में सरकारी सप्लाई द्वारा 92.61 प्रतिशत परिवारों को पानी उपलब्ध करवाया जाता है, 3.45 प्रतिशत परिवार टैंकर द्वारा एवं 3.94 प्रतिशत परिवार निजी बोरिंग द्वारा पानी प्राप्त करते है
- कुल 400 परिवारों में 50 प्रतिशत (200 परिवार) परिवार टैंकर द्वारा 47.5 परिवार सरकारी सप्लाई से तथा 2.5 प्रतिशत परिवार निजी बोरिंग द्वारा पेयजल प्राप्त करते है |

तालिका :- 16 पेयजल पर महीने का खर्च

वार्ड संख्या / विधानसभा	100 रूपए तक	100 से 200 रुपये	300 से अधिक
3 (विद्याधर नगर)	9	36	152
56 (झोटवाडा)	191	2	10
कुल	200	38	162

- दोनों वार्डों में पेयजल के लिए मासिक खर्चा देखा जाये तो 162 परिवारों का 300 रुपये का पेयजल के लिए मासिक खर्चा होता है जबकि 200 परिवारों का 100 रुपये तक मासिक खर्च होता है
- तथा 38 परिवार ऐसे है जिनका 100 रुपये से 200 रुपये तक पेयजल के लिए मासिक खर्च होता है |

तालिका :- 17 शौचालय एवं बिजली की उपलब्धता से सम्बंधित

वार्ड संख्या / विधानसभा	शौचालय की उपलब्धता	बिजली की उपलब्धता	कुल परिवार
3 (विद्याधर नगर)	126 (63.95%)	175 (88.83%)	197
56 (झोटवाडा)	195 (96.05%)	200 (98.52%)	203
कुल	321 (80.25%)	375 (93.75%)	400

- 400 परिवारों में 80.25 परिवारों (321 परिवारों) के शौचालय की उपलब्धता है बाकी 19.75 प्रतिशत परिवारों के पास शौचालय की कोई व्यबस्था नहीं है ।
- वार्ड न. 3 (विद्याधर नगर) में शौचालय की अनुपलब्धता अधिक दिखाई देती है, वार्ड न. 3 (विद्याधर नगर) में 62.95 प्रतिशत परिवार ही ऐसे है जिनके घर में शौचालय है । शौचालय की कमी के कारण अधिकतर लोग अभी खुले में शौच जाने के लिए मजबूर है ।
- इसी प्रकार बिजली की उपलब्धता से देखे तो 400 परिवारों में 93.75 प्रतिशत परिवारों के पास बिजली की उपलब्धता है,अगर बिजली की उपलब्धता को हम संख्या में देखे तो 400 परिवारों में 25 परिवार ऐसे है जिनके पास बिजली की कोई व्यवस्था नहीं है ।
- यह एक सोचिनीय बिंदु है कि राज्य की राजधानी में निवास करने वाले परिवारों के पास मुलभूत बिजली एवं शौचालय जैसी सुविधाओं की उपलब्धता नहीं है ।

स्वच्छता एवं सफाई सम्बंधित जानकारी

दोनों वार्डों में नगर निगम की गाडी द्वारा कूड़ा एकत्रित करने के सम्बन्ध में

वार्डों में 400 परिवारों में से दोनों वार्ड न. 3 (विद्याधर नगर) में 145 परिवारों ने तथा वार्ड 56 (झोटवाडा) में 156 परिवारों ने बताया की उनके यहाँ नगर निगम की गाडी कचरा एकत्रित करने आती है साथ में यह भी बताया की गाडी के आने की स्थिति नियमित नहीं है ।

तालिका :- 18 नगर निगम की गाडी द्वारा कूड़ा एकत्रित करने की स्थिति

वार्ड संख्या / विधानसभा	3 (विद्याधर नगर)	56 (झोटवाडा)	कुल
रोजाना		14	14
2 से 3 दिन में	7	52	59
4 से 5 दिन में	52	29	81
1 सप्ताह से अधिक में	86	61	147
कुल	145	156	301

147 परिवारों ने बताया की नगर निगम की गाडी 1 सप्ताह से अधिक में कचरा एकत्रित करने आती है और 81 परिवारों ने 4 से 5 दिन के लिए कहा |

15. वार्ड समिति एवं उसकी बैठक के सम्बन्ध

- दोनों वार्डों में केवल 9 परिवार वार्ड समिति के बारे में जानते है वाकी परिवारों को वार्ड समिति के बारे नहीं मालूम था |
- वार्ड न. 3 (विद्याधर नगर) के केवल 3 परिवारों ने बताया पिछले पार्षद ने ओने कार्यकाल में वार्ड समिति बनाई गई थी जबकि वार्ड 56 (झोटवाडा) में ऐसा कुछ नहीं समिति के बारे में कुछ नहीं बताया गया |
- वार्ड न. 3 (विद्याधर नगर) ने 9 परिवारों ने बताया की उनके वार्ड में बैठक या वार्ड सभा होती है| वार्ड 56 (झोटवाडा) में वार्ड सभा नहीं होती है

16. सर्वे के दौरान लिए गए छायाचित्र